



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 19 सितम्बर, 2003/28 भाद्रपद, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-9, 15 सितम्बर, 2003

संख्या 1-58/69-फिन० (एल० ए०)पार्ट-2. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या 1-58/69-फिन (एल० ए०) खण्ड-II, तारीख 23-10-1996 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, सहायक निदेशक/सहायक नियन्त्रक (स्थानीय लेखा परीक्षा) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, सहायक निदेशक/सहायक नियन्त्रक (स्थानीय लेखा परीक्षा) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (तृतीय संशोधन) नियम, 2003 है ।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश, स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग, सहायक निदेशक/सहायक नियन्त्रक (स्थानीय लेखा परीक्षा) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) (i) स्तम्भ संख्या 10 के विद्यमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“भर्ती की पद्धति :—

भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता”

(ii) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान अनुबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सैकण्डमैट के आधार पर”

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“अनुभाग अधिकारियों में से, जिन्होंने एस0ए0एस0 (एल0 ए0 डी0) परीक्षा के दोनों भाग उत्तीर्ण कर रखे हों और जिनका कांडर में तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या लगातार की गई तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश सरकार/केन्द्रीय सरकार के अन्य विभागों में समान वेतनमान में कार्यरत पदधारियों में से, सैकण्डमैट द्वारा परन्तु उन्होंने एस0ए0एस0 (एल0ए0डी0) या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों को, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जाएगा/ समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिस डिमोबिलाईज्ड आर्मेड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसिज) रूज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।"; और

(ड) स्तम्भ संख्या 17 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सेवा में प्रत्येक सदस्य को, विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव (वित्त)।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. 1-58/69-Fin(LA) Part-II dated 15-9-2003 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## LOCAL AUDIT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-9, the 15th September, 2003

**No. 1-58/69-Fin(LA)Part-II.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh, Local Audit Department, Assistant Director/ Assistant Controller (Local Audit) Class-I (Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1996 notified *vide* this department notification No. 1-58/69-Fin (LA) Vol.-II, dated 23-10-1996, namely :—

**1. Short title and commencement.**—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Local Audit Department, Assistant Director/Assistant Controller, (Local Audit) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (Third Amendment) Rules, 2003.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure "A".*—In Annexure "A" appended to the Himachal Pradesh Local Audit Department Assistant Director/Assistant Controller (Local Audit) (Class-I Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1996—

(a) (i) For the existing provision against Column No. 10, the following shall be substituted, namely:—

“Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of posts to be filled in by various method”;

(ii) For the existing provisions against Column No. 10, the following shall be substituted, namely:—

“100% by promotion failing which on secondment basis”.

(b) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Section Officers who have passed both parts of SAS (LAD) Examination and also possess 3 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc*, if any, in the grade failing which on secondment basis from amongst the officials working in the identical pay scale in other Departments of Himachal Pradesh Government/Central Government provided they have passed SAS (LAD) or an equivalent examination.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his/her total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him/her in the respective category/post/ cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him/her shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of the Demobilised Armed Forces

Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of rule 3 of the Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment/promotion against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules;

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service as referred to above shall remain unchanged; and

(c) For the existing provision against Column No. 17, the following shall be substituted, namely:—

“Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the H. P. Departmental Examination Rules, 1997”.

By order,

Sd/-

Principal Secretary (Finance).

